सस्ती एआई से इंटेलिजेंस एरा की शुरुआत

शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि के लिए एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च

एआई से विकसित भारत विज़न को रफ्तार : अंबानी

नई दिल्ली, 19 फरवरी. मुकेश अंबानी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में घोषणा की कि जैसे जियो ने देश में डेटा सस्ता किया, उसी तरह अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी किफायती दरों पर आम भारतीय तक पहुंचाया जाएगा. उन्होंने कहा कि 'भारत इंटेलिजेंस किराये पर नहीं ले सकता' और देश को इंटरनेट युग के बाद अब 'इंटेलिजेंस एरा' से जोड़ना होगा.

रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो अगले सात वर्षों में ?10 लाख करोड़ का निवेश कर मजबूत एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेंगे. जामनगर में मल्टी-गीगावॉट एआई -रेडी डेटा सेंटर पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसकी 120 मेगावॉट क्षमता 2026 के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य है. यह ढांचा ग्रीन एनर्जी आधारित होगा.

> एआई को 'आधुनिक अक्षय पात्र' बताते हुए अंबानी ने कहा कि यह नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि नए अवसर पैदा करेगा. उन्होंने नरेंद्र मोदी के विज़न की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह पहल भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

अंबानी ने बताया कि जियो एआई भारतीय भाषाओं में काम करेगा, जिससे किसान, छात्र और छोटे व्यवसायी अपनी भाषा में तकनीक का लाभ ले सकें. शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के लिए जियो शिक्षा एआई , जियो आरोग्य एआई और जियो कृषि जैसे प्लेटफॉर्म पेश किए गए हैं.

पैनासोनिक का ऐप-नियंत्रित स्विच

नयी दिल्ली, 19 फरवरी पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने गुरुवार को रोमा अर्बन स्मार्ट टच सीरीज को बाजार में पेश करने की घोषणा की जिन्हें मोबाइल ऐप से नियंत्रित किया जा सकता है.

यह अगली पीढ़ी का स्मार्ट होम आईओटी समाधान है, जिसे आधुनिक भारतीय घरों में सुविधा, सुरक्षा और बेहतर जीवनशैली प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है. यह उपयोगकर्ताओं को इलेक्ट्रिकल उपकरणों को नियंत्रित करने के तीन विकल्प देता है - मोबाइल एप्लीकेशन, वॉइस कमांड और फेदर-टच फिजिकल स्विच.

कंपनी ने बताया कि इस स्विच को आसानी से इंस्टॉल किया जा सकता है. यह नये और पुराने दोनों तरह के घरों के लिए उपयुक्त है.

दो दशक में भारत जोड़ेगा 26 ट्रिलियन डॉलर : पीयूष

मंत्री गोयल ने वैश्विक आर्थिक सहयोग (जीईसी) 2026 सम्मेलन को संबोधित किया

मुंबई, 18 फरवरी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अगले दो दशक में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था में 26 ट्रिलियन डॉलर (26 लाख करोड़ डॉलर) और जोड़ेगा.

श्री गोयल ने यहां वैश्विक आर्थिक सहयोग (जीईसी) 2026 सम्मेलन को संबोधित किया. उन्होंने कहा, 'अब से 2047 के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में लगभग 26 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होने की अपेक्षा है - यह विकास का ऐसा अवसर है जो इतिहास में अद्वितीय है और दुनिया में कहीं और दोहराया जाना कठिन है. '

उन्होंने कहा कि आर्थिक अलगाव का युग अब पीछे छूट चुका है. यही कारण है कि भारत गठबंधन बना रहा है, दूसरे देशों के साथ मित्रता गहरी की जा रही है और व्यापार समझौते किया जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि पिछले चार साल में नौ समझौते किये गये हैं और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा.

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हर व्यापार वार्ता में राष्ट्रीय हित का ध्यान रखा जाता है, किसानों, उद्यमियों, छोटे तथा मझौले उद्यमों, महिलाओं और उद्योगों के लिए सुरक्षित अवसर सुनिश्चित किया जाता है और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की जाती है.

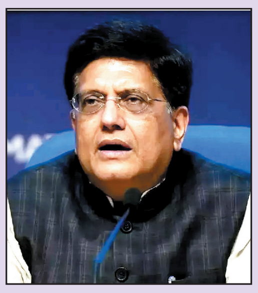

> श्री गोयल ने कहा, 'हमारे लिए मुक्त व्यापार समझौता भारत के भविष्य में साझेदारी का निमंत्रण है, उस यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर है, जो देश को आज की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 2027-28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और अंतत : 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले विकसित राष्ट्र में परिवर्तित करेगी . ' उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापार वार्ताओं में किसानों की सुरक्षा, छोटे तथा मझौले उद्यमों के विकास, मछुआरों की रक्षा और देश में रोजगार को ध्यान में रखा गया है .

शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद

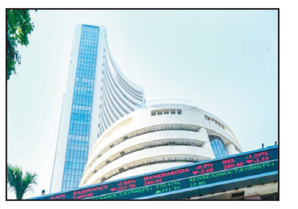

मुंबई, 19 फरवरी. सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ.

इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 1,236.11 अंकों यानी 1.48 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 82,498.14 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी 365 (1.41 प्रतिशत) अंक गिरकर 25,454.35 पर बंद हुआ. बाजार बंद होने के समय निफ्टी के सभी इंडेक्स लाल रंग में कारोबार करते हुए नजर आए. गुरुवार को घरेलू बाजार अपने पिछले बंद से मामूली बढ़त के साथ खुला. बैंकिंग, मेटल, ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते घरेलू बाजार में तीन दिन से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया, और निफ्टी और सेंसेक्स शुरुआती बढ़त खोकर दबाव में आ गए.

आज के कारोबारी सत्र में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,400 अंक से अधिक गिरकर 82,264.20 के निचले स्तर पर पहुंच गया. वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 1 प्रतिशत से ज्यादा या 400 अंक गिरकर 25,400 के स्तर से नीचे आ गया.

बाजार में यह बड़ी गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव और बैंकिंग व एफएमसीजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में मुनाफावसूली के चलते आई.इस दौरान, सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई.

भारत में पीयर-टू-पीयर ऊर्जा लेनदेन का प्रदर्शन

आरईसी लिमिटेड, जो ऊर्जा मंत्रालय के अधीन आने वाला महा रत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम है, ने आज भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 226 में भारत के पीयर-टू-पीयर ऊर्जा ट्रेडिंग पायलट प्रोग्राम का पहला लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किया.

यह डेमो इंडिया एनर्जी स्टैक और एआई-रेडी पावर सेक्टर: ट्रस्ट, इंटरऑपरेबिलिटी और स्केल' नामक रणनीतिक सत्र के दौरान आयोजित किया गया, जो भारत के विकेंद्रीकृत, उपभोक्ता-केंद्रित डिजिटल पावर इकोसिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है.

सर्वजन हिताय | सर्वजन सुखाय
WELFARE | HAPPINESS OF ALL

सत्र की मुख्य आकर्षण थी भारत एनर्जी स्टैक के तहत आयोजित पहली पीयर-टू-पीयर विकेंद्रीकृत ऊर्जा लेनदेन का लाइव प्रदर्शन. मेरठ (उत्तर प्रदेश) के किसान अरुण सिंह ने सुरक्षित, ब्लॉकचेन-समर्थित प्लेटफॉर्म का उपयोग कर दिल्ली में एक वस्त्र दुकान की मालिक लक्ष्मी को अपने अतिरिक्त सौर ऊर्जा के 6 यूनिट सीधे बेचे और 30 रुपये कमाए. यह ऐतिहासिक लेनदेन भारत एनर्जी स्टैक के वास्तविक अनुप्रयोग को दर्शाता है, जो नागरिकों को केवल बिजली ग्रहक के रूप में नहीं बल्कि सक्रिय 'ऊर्जा एजेंट' के रूप में सशक्त बनाता है.

लाइव ऊर्जा ट्रेडिंग डेमो भारत एनर्जी स्टैक का अब तक का सबसे स्पष्ट और ठोस अनुप्रयोग है. इस पायलट के तहत प्रोशूमर—जिनमें घर, व्यवसाय और किसान शामिल हैं जो अक्षय ऊर्जा उत्पन्न करते हैं—सीधे अपनी अतिरिक्त ऊर्जा को अन्य उपभोक्ताओं के साथ डिजिटल प्रोटोकॉल के माध्यम से व्यापार कर सकते हैं, जिससे अधिक सहभागी और विकेंद्रीकृत पावर मार्केट की नींव रखी जा रही है.

> लाइव प्रदर्शन में उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में डॉ. राम सेवक शर्मा, चेयर, इंडिया एनर्जी स्टैक; श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आरईसी लिमिटेड; श्री आशीष कुमार गोयल, अध्यक्ष, ; श्री अलोक कुमार, महानिदेशक, ; श्री रेजी पिल्लई, अध्यक्ष,; श्री शशांक मिश्रा, संयुक्त सचिव, ऊर्जा मंत्रालय; श्री प्रिंस धवन, कार्यकारी निदेशक, आरईसी; और श्रीमती स्वेता रवी कुमार, कार्यकारी निदेशक ग्लोबल शामिल थे. 18 फरवरी 2026 को माननीय ऊर्जा मंत्री को डेमो प्रस्तुत किया गया

विमानों की संख्या दोगुनी करेगी स्पाइसजेट

कंपनी के बेड़े में 33 विमान परिचालन में हैं

रोजाना 300 से अधिक उड़ानों के संचालन का भी लक्ष्य रखा गया है.

नयी दिल्ली, 19 फरवरी किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने इस साल अपने बेड़े में परिचालन में मौजूद विमानों की संख्या दोगुना करने का लक्ष्य रखा है.

एयरलाइन ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने पिछली तिमाही में अपनी क्षमता दोगुनी की है और उपलब्ध सीट किमी 55 करोड़ से बढ़कर 105 करोड़ हो गयी है. इस साल के अंत तक इसे 220 करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है. साथ ही रोजाना 300 से अधिक उड़ानों के संचालन का भी लक्ष्य रखा गया है.

कंपनी के एक अधिकारी ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि अभी कंपनी के बेड़े में 33 विमान परिचालन में हैं. इस साल के अंत तक उसकी संख्या भी लगभग दोगुना कर 60 पर पहुंचाने का लक्ष्य है.

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कंपनी ने अपने बेड़े में 10 और विमानों की शामिल करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है. कंपनी के निदेशकमंडल की पिछले सप्ताह हुई बैठक में वेट और डैम्प लीज के मिश्रण के माध्यम से बेड़े को चरणबद्ध तरीके से 60 विमानों तक बढ़ाने और मौजूदा समय में ग्राउंडेड विमानों को परिचालन में वापस लाने की योजना को स्वीकृति दी गयी थी.

> उल्लेखनीय है कि इस समय कंपनी के 37 विमान ग्राउंडेड हैं . स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, 'पिछली तिमाही में हमारी क्षमता को दोगुना करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है, और इस वर्ष इसे और दोगुने से अधिक करने की हमारी योजना व्यवसाय में बढ़ते विश्वास और नेटवर्क में मजबूत मांग को दर्शाती है . यह एमओयू हमारे संचालन को संतुलित और योजनाबद्ध तरीके से पुनर्निर्माण तथा विस्तार की दिशा में एक उत्साहजनक विकास है . '

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय में बेहतर सुविधाएं

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्टेशन पर आधुनिक वातानुकूलित (ए.सी.) प्रतीक्षालय का संचालन यात्रियों के लिए अत्यंत सुविधाजनक और सकारात्मक अनुभव साबित हो रहा है.

394 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले इस प्रतीक्षालय का संचालन मेसर्स क्वालिटी कैटरर्स, ईस्ट दिल्ली द्वारा अनुबंध के तहत किया जा रहा है। इसमें प्रतीक्षालय का उन्नयन, स्वच्छता, प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा संचालन और यात्रियों से उपयोग शुल्क का संग्रह शामिल है। 26 नवंबर 2025 से 18 फरवरी 2026 के बीच 1,00,000 से अधिक यात्रियों ने इस ए.सी. प्रतीक्षालय का लाभ उठाया, जिससे लगभग ?25 लाख की उपयोग शुल्क आय प्राप्त हुई। यह आंकड़ा सुविधा की लोकप्रियता और उपयोगिता को दर्शाता है।

प्रतीक्षालय में 250 यात्रियों के लिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था, पेयजल और रिफ्रेशमेंट स्टॉल, फ्लेवर्ड चाय, कॉफी, सूप, लस्सी, इडली-वड़ा, बिरयानी, समोसा, बर्गर जैसे स्नैक्स, सेल्फ-डिस्पेंसिंग मशीन, ट्रैवल डेस्क, समाचारपत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें, टॉयलेटरीज और ओटीसी दवाइयाँ उपलब्ध हैं।

पुरुष और महिला यात्रियों के लिए पृथक स्वच्छ शौचालय और स्नानघर हैं, जिसमें गर्म पानी के लिए गीजर भी उपलब्ध है।मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करने के लिए पर्याप्त पॉइंट्स हैं। अहमदाबाद मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण अनुभव देने के लिए स्टेशन सुविधाओं के सतत उन्नयन में निरंतर प्रयासरत है।

भारत-अमेरिका बासमती चावल सौदा

5000 टन चावल निर्यात समझौता

नयी दिल्ली, 18 फरवरी भारतीय चावल निर्यातक संघ (आईआरईएफ) ने गुरूवार को ऐलान करते हुए कहा कि उसकी एक सदस्य कंपनी ने अमेरिका को 5`, टन प्रीमियम भारतीय बासमती चावल निर्यात करने का एक व्यावसायिक समझौता किया है.

यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कृषि व्यापार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है .संघ ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए दावा किया कि यह निर्यात आदेश प्रामाणिक भारतीय बासमती चावल की बढ़ती वैश्विक मांग और भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में नयी गति को दर्शाता है .

आईआरईएफ के अनुसार, यह समझौता भारतीय बासमती चावल की गुणवत्ता, सुगंध और प्रामाणिकता को दर्शाता है और वैश्विक खरीदारों के भारतीय निर्यातकों पर निरंतर विश्वास को प्रकट करता है . गौरतलब है कि भारत वर्तमान में बासमती चावल का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक बना हुआ है .

समाचार विशेष

फतह के लिए भाजपा का 'नायाब' दांव

चंडीगढ़. नवंबर 224 में लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने के बाद भाजपा की नजर अब अपने पड़ोसी राज्य पंजाब पर है. पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और पार्टी वहां खुद को एक बड़ी राजनीतिक ताकत के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है.

पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारियों की एक खास बात यह है कि भाजपा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लगातार पंजाब में तैनात कर रही है. पिछले हरियाणा विधानसभा चुनाव में जब चुनावी लड़ाई भाजपा के लिए बेहद मुश्किल मानी जा रही थी, तब भी पार्टी ने वहां सरकार बनाई थी. माना जा रहा था कि इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अहम रोल था. इससे भाजपा की सेंट्रल लीडरशिप का सैनी पर भरोसा बढ़ा है. पगड़ी पहनकर नायब सिंह सैनी पंजाब में कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं और लोगों तक पहुंचने के लिए पंजाबी और हरियाणवी का मिक्स इस्तेमाल कर रहे हैं. पिछले कुछ महीनों में सैनी पंजाब के कई गांवों और कस्बों का दौरा कर चुके हैं, मंदिरों और गुरुद्वारों में जा चुके हैं.

अब तक वे गुरुद्वारा हरमंदिर साहिब, गुरुद्वारा आनंदपुर साहिब, माछीवाड़ा में गुरुद्वारा चरण कंवल साहिब और गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब जा चुके हैं. पंजाब और हरियाणा का बॉर्डर लंबा है. दोनों राज्यों के बीच शादी, पारिवारिक रिश्ते, व्यापार और राजनीति के जरिए मजबूत संबंध हैं. हालांकि, पानी के बंटवारे और परमानेंट राजधानी जैसे मुद्दों पर उनके बीच अनबन भी है.

> **हाईकमान ने सैनी को दिया नायाब मंत्र!**
>
> पिछले साल जुलाई में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संगरूर जिले के सुनाम गए थे . यह दौरा अहम था क्योंकि सुनाम शहीद उधम सिंह का जन्मस्थान है . जिसके जरिए भाजपा पब्लिक सेंटिमेंट्स से जुड़ने की कोशिश कर रही है . कहा तो जाता है कि भाजपा की सेंट्रल लीडरशिप ने सैनी से ज्यादा से ज्यादा पंजाब दौरा करने को कहा है . पंजाब में अपने कार्यक्रमों के दौरान सैनी ने आम आदमी पार्टी सरकार और उसके मुख्यमंत्री भगवंत मान के काम की आलोचना की है . सैनी ने पंजाब को हरियाणा का 'बड़ा भाई' बताया है . उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सिर्फ पड़ोसी राज्य नहीं है, बल्कि हरियाणा के साथ खून का रिश्ता भी है . सैनी का कहना है कि अगर पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है तो लोगों से किए गए वादे पूरे किए जाएंगे .

रकीबुल हुसैन ने कांग्रेस में मचा दिए कलह?

बोरा ने कांग्रेस छोड़ी, असम चुनाव से पहले पार्टी में मचा बवाल

गोवाहाटी. राजनीति में कब दोस्ती दुश्मनी में बदल जाए और कब हाथ साथ छोड़ दे, यह कहना मुश्किल है. असम प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आखिरकार कांग्रेस को टाटा-बाय-बाय कह दिया है.

मामला ऐसा फंसा कि कांग्रेस आलाकमान उन्हें मनाने के लिए मिठाई का डिब्बा लेकर खड़ा रह गया और भूपेन जी ने पड़ोस वाली बीजेपी की चाय स्वीकार कर ली. कहानी शुरू होती है 16 फरवरी को, जब भूपेन बोरा ने अपना इस्तीफा थमाया. कांग्रेस ने सोचा, अरे ये तो रूठना-मनाना है. सीनियर नेताओं की फौज-गौरव गोगोई से लेकर जितेंद्र सिंह तक-उनके घर की तरफ ऐसे दौड़े जैसे सेल में आखिरी शर्ट बची हो.

जितेंद्र सिंह ने तो बाहर आकर बड़े आत्मविश्वास से कहा था कि हमने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है. भूपेन जी मान जाएंगे, लेकिन अगले दिन भूपेन बोरा ने साफ कर दिया कि मानना तो दूर मैंने तो कमल पकड़ने की तारीख भी तय कर ली है. मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मुस्कुराते हुए कंफर्म किया कि 22 फरवरी को भूपेन बोरा बीजेपी के हो जाएंगे. हिमंत बिस्वा सरमा ने तो भूपेन को कांग्रेस का आखिरी सर्वमान्य हिंदू नेता घोषित कर दिया. अब बीजेपी में उन्हें सम्मान और विधानसभा चुनाव का टिकट का वादा मिला है.

आखिर विलेन कौन?- अब सवाल ये है कि भूपेन बोरा ने सजे-सजाए बंगले को लात क्यों मारी? इसका जवाब है-रकीबुल हुसैन. भूपेन बोरा का आरोप है कि असम कांग्रेस अब असली कांग्रेस नहीं रही, बल्कि एपीसीसी-आर (रकीबुल कांग्रेस) बन गई है.

> **2015 की यादें ताजा हुई**
>
> भूपेन बोरा का जाना बिल्कुल वैसा ही है जैसा 2015 में हिमंत बिस्वा सरमा का जाना था . तब हिमंत जी तरुण गोगोई और राहुल गांधी से परेशान थे, आज भूपेन जी रकीबुल से परेशान हैं. बस किरदार बदल गए हैं, लेकिन कांग्रेस छोड़ो अभियान की स्क्रिप्ट वही पुरानी है. कुल मिलाकर असम कांग्रेस में अब गौरव (गोगोई) अकेले बच गए हैं, क्योंकि भूपेन ने तो भगवा चोला ओढ़ने की तैयारी कर ली है . अब देखना यह है कि 22 फरवरी के बाद रकीबुल की एपीसीसी-आर कितनी मजबूत रहती है या बीजेपी क्लीन स्वीप की ओर बढ़ती है .

विशेष मायावती ने काट दी पतंग, अखिलेश ने नहीं थामी डोर

क्या करेगी ओवैसी की एआईएमआईएम?

लखनऊ. बिहार विधानसभा चुनाव और महाराष्ट्र के निकाय चुनावों में मिली सफलता के बाद असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएणआईएम ने उत्तर प्रदेश में बड़े सियासी एंट्री का प्लान बनाया था, हालांकि एंट्री से पहले ही ओवैसी की पार्टी को झटका लग गया है.

राज्य की यूपी इकाई के अध्यक्ष शौकत अली ने दावा किया था कि एआईएमआईएम बहुजन समाज पार्टी से गठबंधन को लेकर चर्चा कर रही है, अब बसपा मुखिया मायावती के बयान ने एआईएमआईएम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है.

राजधानी लखनऊ में मायावती ने पार्टी के पुराने रुख पर कायम रहते हुए कहा कि पार्टी किसी के साथ अलायंस नहीं करेगी क्योंकि उसे इसका नुकसान होता है. मायावती ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव करीब आते.आते ऐसे दावे और तेजी से किए जाएंगे लेकिन अंबेडकरवादियों को इससे सावधान रहना होगा. बसपा चीफ के इस ऐलान के बाद एआईएमआईएम की रणनीतियों और उम्मीदों पर पानी फिर गया है.

> **शौकत अली ने क्या कहा था**
>
> एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा था कि बसपा के साथ अलायंस करते हुए हम दलित मुस्लिम गठजोड़ का प्रयास करेंगे . हुकूमतें किसी की भी रही हो जुल्म का शिकार हमेशा मुसलमान रहा है . हम तो चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश में एमआईएम का गठबंधन बहुजन समाज पार्टी से हो . उत्तर प्रदेश में गठबंधन के लिए पार्टी की पहली पसंद बसपा है . दरअसल यूपी में 2027 के चुनाव में सबकी नजर मुस्लिम मतों पर है . इंडिया अलायंस के झंडे तले चुनाव लड़ने जा रही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की भी कोशिश है कि 2024 के चुनावों में जो मुस्लिम मत उनकी ओर आकर्षित हुए वह 2027 में भी उनके साथ रहे .

चाचा बने राजनीतिक कलह की वजह

चंडीगढ़. हरियाणा की राजनीति में चौटाला परिवार को एकजुट करने में विफल रह चुके पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला अब अपने भतीजे अभय सिंह चौटाला के निशाने पर हैं. रणजीत चौटाला पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. देवीलाल के छोटे बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के भाई हैं.

कांग्रेस और निर्दलीय राजनीति करने के बाद रणजीत चौटाला ने भाजपा की राजनीति की, लेकिन वहां उन्हें अपेक्षित मान-सम्मान नहीं मिला. चाचा-भतीजों के बीच टकराव की वजह पूर्व वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह बने हैं, जिन्होंने करीब 16 साल के बाद भाजपा व कांग्रेस की राजनीति छोड़कर इनेलो में घर वापसी की है. इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने प्रो. संपत सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय संरक्षक बना रखा है.

हिसार में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के लिए जिलों के दौरे पर निकले रणजीत चौटाला ने प्रो. संपत सिंह को लेकर एक बयान दिया है, जिसे लेकर चाचा-भतीजों में टकराव पैदा हुआ है. रणजीत चौटाला ने फतेहाबाद के भट्टू स्थित गांव किरढ़ान में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं संपत सिंह के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन लोगों को जानकारी देना जरूरी समझता हूं. भट्टू से गांधी और दिलीप नाम के दो व्यक्ति हुआ करते थे. वे मेरे पिताजी देवीलाल के पास आए और बोले कि संपत को अपना पीए रख लो, जो हमारा हुक्का भरने के काम आए. तब देवीलाल ने संपत सिंह को हुक्का भरने के काम पर रख लिया था, लेकिन बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया. संपत सिंह पहली बार भट्टू से ही विधायक बने थे.

रणजीत चौटाला ने यह भी उल्लेख किया कि देवीलाल ने दो-दो प्रधानमंत्री बनाए. लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव को मुख्यमंत्री बनाया. इनेलो की तरफ इशारा करते हुए चौटाला ने व्यंग्य कसा कि वहां से अब ये लोग कहां पहुंच गए.

> **उन्हीं की भाषा में जवाब**
>
> इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला और प्रो . संपत सिंह ने रणजीत सिंह को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है . अभय चौटाला ने कहा कि जिसकी जैसी सोच होती है, वैसे ही विचार रखते हैं . जनता ने इन लोगों को नकार दिया है . उनके पास अब कुछ नहीं बचा है . इन लोगों को अपना स्वयं का राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है . बता दें कि चौटाला परिवार में राजनीतिक तकरार नई बात नहीं है . इनेलो के टूटने के बाद जब जजपा बनी तो अभय सिंह चौटाला, उनके भाई अजय चौटाला और भतीजे दुष्यंत चौटाला में जबरदस्त टकराव चलता रहा .